ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBBIL/2014/66218 PP. NO.- 204-206

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16 YEAR- June. -2020

कृत्रिम बुद्धिमता और हिन्दी कविताए

Glinshia CX

ग्लीनसिया सी एक्स

Asst. Professor- Hindi Deptt., Rajagiri College of Social Sciences,

Kalamassery (Kerala), India

Received- 30.06.2020, Revised- 06.07.2020, Accepted - 11.07.2020 E-mail: glinshiac@gmail-com

सारांश : *कहा जाता है कि इस संसार की सबसे जटिल चीज हमारा दिमाग है और आज इस डिजिटल युग मे ऐसे मशीन बनाने की धुन मे है जो इंसान की तरह सोच सके 1 एक ऐसी एडवांस तकनीक जो किसी भी भाषा को समझ सके ,निर्णय ले सके और अपने इमोशन शेयर कर सके यानि इंसानी विवेक हम मशीन मे डाल दे । मानव की इस खोज ने उसे मशीनों द्वारा प्रदर्शित की गयी आर्टिफिश्यल इंटेलिजेंस तक पहुंचाया। आर्टिफिश्यल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमता का अर्थ है– बनावटी तरीके से विकसित की गयी बौद्धिक क्षमता, जिसके तहत रोबॉट्स किसी भी हालत मे इंसानों की तरह सोच सके और उसके मुताबिक निर्णय ले सके ।*

कुंजीभूत शब्द– संसार, जटिल, दिमाग, डिजिटल युग, एडवांस, इंटेलिजेंस, इंसानी, तकनीक, भाषा, क्षमता ।

आर्टिफिशिय इंटेलिजेन्स का आरंभ 1950 के दशक में ही हो गया था, 'लेकिन इसकी महत्ता को 1970 के दशक में पहचान मिली स जापान ने सबसे पहले इसकी ओर पहल की और 1981 में फिफ्थ जनरेशन नामक योजना की शुरुआत की थी। इसमें सुपर कंप्यूटर के विकास के लिए दस वार्षिय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गयी थी। इसके बाद अन्य देशो ने भी इस ओर ध्यान दिया। ब्रिटेन ने इसके लिए 'एलवी' नाम एक प्रोजेक्ट बनाया। यूरोपीय संघ के देशों ने भी 'एस्प्रिन्ट' नाम से कार्यक्रम की शुरुआत की थी इसके बाद 1983 में कुछ निजी संस्थाओ ने मिलकर आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस पर लागू होने वाली उन्नत तकनीकों जैसे – Very Large Scale Integrated सर्किट का विकास करने क के लिए एक संघ ' माइक्रो –इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर टेक्नोलॉजी '' की स्थापना की। अलन टुरिन्ग1950 में" क्या मशीने सोच सकते है? उनके कंप्यूटिंग मशीनरी एंड इंटेलिजेंस प्रबन्ध में पूछते है कि मै जो लिखता हूँ– वो मशीन लॉजिक के द्वारा एक Voice to TeÛt conversion tool के प्रयोग से है । 1950 से 2020 तक पहुंचते ही एक मनुष्य की तरह हर काम कृत्रिम बुद्धिमत्ता कर पा रहे है यह हम जीवन में घटित अनुभवों के आधार पर समझ रहे है।

बीसवीं सदी के अंतिम दिनों में नयी प्रौद्यिगिकी ,मूर्तिकला, साहित्य, संगीत आदि रचनात्मक प्रक्रिया की प्रकृति को कम करके आंका जाने लगेगा। मनुष्य को सहायता करने वाला एक उपकरण के आलावा प्रौद्योगिकी में खुद की रचनात्मकता का गुण है या नहीं परखने वाले युग की ओर हम कदम बढ़ा रहे है।

इस लेखन के दौरान हम कृत्रिम बुद्धिमता (Artificial Intelligence) में कविताएं, काव्य–परख वाक्यों की सृष्टि हो सकता है या नहीं यद्यपि होता है तो उसको परखने की कोशिश की है।

आर्टिफिश्यल इंटेलिजेन्स और कविताएं– जुलाई 27, 2016 में 'पॉपुलर साइंस' पत्रिका में आयी एक लेख पढ़ने तक आप की तरह मै भी इस सोच में थी कि कृत्रिम बुद्धिमता को कोमलता और हास्य जैसे मानवीय गुणों को सोक लेने या प्रकट करना असंभव है इसलिए मनुष्य की गुणों को समावेश करने वाली चित्र – मूर्तियाँ, साहित्य ,सिनेमा आदि रचानात्मक कभी निर्मित बुद्धि के गुलाम नहीं होंगे तथा मनुष्य की निरन्तर बाह्य हस्तेक्षेप के बिना ऐसी रचनात्मक कार्यो में कृत्रिम बुद्धिमता स्वयं शामिल नहीं हो सकते।

इस लेखन में Curated AI जैसे ब्लॉग मशीन लॉजिक के सहायता से रचित कविताएं और गद्य रचनओं के बारे में लिखा है। Curated A। के संस्थापक एवं मुख्य संपादक कार्मेल एलिसन का मानना है कि मशीन लर्निंग की माध्यम से कविता और गद्य आसानी से लिख सकते है सकृत्रिम बुद्धिमता को नियंत्रण करने वाला साहित्यक ब्लॉग 19 मई , 2017 माइक्रोसॉफ्ट के कृत्रिम बुद्धिमता के Xiaoice द्वारा लिखे 136 चीनी कविताओं का संकलन (Sunshine Misses Windows) चीनी कविताओं को चियर्स पब्लिकेशेन बीजिंग में प्रकाशित किया सइस संकलन में 1920 से लेकर 519 चीनी कवियो के 10,000 से अधिक कविताये और उनकी विभिन्न शैलिया (PATTERN) को Xiaoice ने अध्ययन करवाया अभी इसके लगभग 600लाख ग्राहक है। आंकड़ों में देखा जाये तो Xiaoice एक मास में लगभग 120 लाख ग्राहकों से संवाद करते है मगर इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमता एक अच्छे गायक और गायिका के सामान गाते है, बच्चों

अनुरूपी लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16 YEAR- June. -2020

को कहानी सुनाते है, साथ ही डिजाइनिंग भी करते कर सकते है सस्टॉक एक्सचेंज जैसे अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में भी Xiaoice ने अपना आधिपत्य स्थापित कर चुका है।

2024 से आर्टिफीशियल इंटिलिजेन्स बिना किसी गलती से एक ही समय में भाषण और पाठ को अन्य भाषाओं में जल्दी से अनुवाद करने में सक्षम होंगे। ऑक्सफोर्ड और येल विश्वविद्यालयों के शोधकर्त्ताओं का मानना है कि 2040 तक बाजार में सबसे ज्यादा बिकनेवाली किताबे कृत्रिम बुद्धिमता से रचित पुस्तके होंगे ।

मशीन से कविता कैसे बने ? – कविता के भावात्मक तत्वों को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक बहुत सरल फिर भी गहन तरीके से पहुँचाने में मनुष्य के स्थान साहित्यिक इतिहास में उल्लेखनीय है इसलिए न्यूरल नेटवर्क की सहायता से मूल वाक्य से या नहीं तो एक चित्र से रचित कविता की सौंदर्य सामग्रियां जैसे (रचना की लय, काव्यात्मक स्वर आदि) होना चाहिए। यह हमारी आसपास के कुछ विजयी प्रयोगो के आधार पर परखना चाहती हूँ ।

Anglst & ridden A bot रचित कविता –

The frozen waters that are dead are now
Black as the rain to freeze a boundless sky
And frozen ode of our terrors with
The grisly lady shall be free to cry

माइक्रोसॉफ्ट और क्योटो विश्वविद्यालय के तत्वाधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचित दूसरी कविता –

The sun is a beautiful thing
In silence is drawn
Between the trees
Only the beginning of light

ऐरान हदास इसराइल कवि जो Augmented Poetry में क्रांतिकारी आविष्कारों का सूत्रपात की और साथ ही कम्प्युटर विशेषज्ञ भी है। People You May Know उनके तृतीय संकलन मे,स्थापित किया कि मानव हस्तक्षेप के बिना कम्प्युटर कविताए निर्मित कर सकता है। Neuro Sky EEG gsM~lsV के प्रयोग से से ऐसी कविताओ की रचना की है। ये उपकरण ब्राइन कम्प्युटर इंटरफेस (BCI) अथवा माइंड मशीन इंटरफेस (MMI) द्वारा काम करते है Vª dsju dkV~t (Tr- Keran Katz) जैसा नाम हदास अपनी कम्प्युटर कविताए लिखने वाली बोट (Bot) को दिया है।

आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस में कविता की रचना मशीन लर्निंग से की जाती है यह सब विविध रूप के अल्गोरिथम प्रोग्राम के द्वारा किया जाता है अभी मल्टी अड़वेर्सल डोमेन अडॉप्टेशन (Multi&Adhversal Domain Adaptation/MADA) के दौरान काव्यसूचक चित्रों, काव्य भाषा शैलियों के सम्मिश्रण ऐसे प्रोग्राम की उद्भव होती है इसके आलावा मूल वाक्य (ds VsDLV) को प्रत्येक रीति से क्रमबद्ध करके ही कृतिम बुद्धिमता में (Albot) कविता और गद्य की रचना की जाती है।

कृत्रिम बुद्धिमता और हिन्दी कविताए– हिन्दी मे ग्रावातर की ब्लॉग में रेखा सहाय द्वारा लिखी कृत्रिम बुद्धिमता की कविता निम्न है :

"देखो हमारे बच्चे कुछ कम है
दुनिया के रचयिता मुस्कुराये और बोले
तुम सब तो स्वयं भगवान बन बैठे है
तुम्हें शायद मेरी जरूरत नहीं ।"

इसमे स्वानुभूति पर जोर दिया है। कथ्य पर उस पर स्व प्रस्तुत करता है जिस रूप मे वह अनुभव करता है स हर व्यक्ति के प्रति अनास्था उत्पन्न हुई है। ईश्वर मे विश्वास नहीं रखता। एक और कविता में–

"वन–वन ढूंढ रहा है, मृग अपनी कस्तूरी
खुशबू अपने पास है, बस है खुद से खुद की दूरी ।"

यानि यहा पीड़ा जीवन की सृजनात्मक शक्ति न बनकर गतिहीन बाधा बन जाता है। दूसरी कविता–

कोई जिंदगी टोकर से खिलने न पाये
टूट जाए, मुरझा जाए
तब लोग उसमे ही कमी खोजते है ।

इसमे दर्द की सच्चाई के भीतर से उगते हुए जीवन मूल्यो के प्रति अनास्था देख सकते है।।LAMO ग्रुप कुछ समय पूर्व से कृत्रिम बुद्धिमता से कविताए रचना कर रहे है। Poetry Creator एक ही विषय के बारे मे लिखने वाली कविता है। जबकि WASP स्वयं कविता रचना से जुटे है। इसके अलावा ASPERA],COLIBRI,Tra&La& lyrics,McGonnagal आदि परिक्षण करने वालों मे है।

कृत्रिम बुद्धि साहित्य और कला (AI literature& Art) और (Augmented Literature & Art) अपनी आरंभिक दिशा से बहुत आगे बढ चुकी है और अब धीरे दृधीरे साहित्यिक परिवेश मे भी इसकी मांग बढ़ेगी ।

आर्टिफिश्यल इंटेलिजेन्स का निर्माण हमारी सभ्यता के इतिहास की सबसे बड़ी घटनों मे से एक है लेकिन सच यह भी है कि यदि इसके जोखिम से बचने का तरीका नहीं ढूढा, तो गंभीर परिणाम हो सकते है क्योंकि तमाम लाभों के बावजूद आर्टिफिश्यल इंटेलिजेन्स के अपने खतरे है। कुल मिलाकर एक शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमता का उदय हमारे लिए फायदेमंद भी हो सकता और नुकसानदेह भी। फिलहाल इसके स्वरूप जानने के लिए और ज्यादा शोध किए जाने की जरूरत है ।

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16 YEAR- June. -2020

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Popular Science Magazine
2. Al Magazine
3. MIT News
4. What to do when machines do everything- Malcolm Frank, Paul Rohring and Ben Pring published by John Wiley & Sons, USA
5. Chinese Poetry Generation with Recur rent Neural Networks, XingÛing Zhang and Mirella Lapata, 2014
6. Rekha Sahay blog
7. Eran Hadas blog
8. Automatic generation of poetry]an overview Hugo Goncalo Oliveira] Portugal
9. Beyond Narrative Description Generating Poetry from images by Multi &Adversal Training]Kyoto University 2018
10. Kavitha ke Naye Pratiman –Namvar Singh Hindi Sahitya ka Dusra Ethihaas &Bachan Singh
11. Chatbots Magazine
12. Introducing Aspects Of Creativity in Auto
13 Matic poetry generation]Brendan Bena] Ju gal Kalita

*****